CHAPTER 15

काव्य-सब आँखों के आँसू उजले,जाग तुझको दूर जाना[महादेवी वर्मा]

PAGE 155, अभ्यास

11:15:1: प्रश्न-अभ्यास:1

1. 'जाग तुझको दूर जाना' कविता में कवियत्री मानव को किन विपरीत स्थितियों में आगे बढ़ने के लिए उत्साहित कर रही है?

उत्तर- ‘जाग तुझको दूर जाना’ कविता में कवयित्री का मानव को उत्साहित करने का तात्पर्य ये है की वह विपरीत स्थितियों में भी आगे बढ़े और उन्होंने इसे निम्नलिखित तरीके से प्रस्तुत किया है -

(क) कवयित्री कह रही हैं कि हिमालय के हृदय में कंपन है। यह भूकंप पैदा कर सकता है लेकिन

आपको आगे बढते रहना है इस कंपन से डरना नहीं है ।

(ख) जब प्रलय की स्थिति आती है। तो ऐसी स्थिति में व्यक्ति घबड़ा जाता है, आप को घबड़ाना नहीं आप को आगे बढते रहना है ।

(ग) अगर चारों तरफ घना अंधेरा छाया है। कुछ दिख नहीं रहा है तब भी आप को आगे बढते रहना है ।

11:15:1: प्रश्न-अभ्यास:2

2. 'मोम के बंधन' और 'तितलियों के पर' का प्रयोग कवयित्री ने किस संदर्भ में किया है और क्यों?

उत्तर- कवयित्री ने कविता से यह पद 'मोम के बंधन' का संदर्भ युवती के कोमल बाहों से किया है जिसकी सुन्दर पकड़ में आकर व्यक्ति रुक जाता है अतः लेखिका का कहने का ये तात्पर्य है की

क्या तू उस 'मोम के बंधन' से आजाद हो पाए गा ये 'मोम के बंधन' तुझे रोक सकते है और तेरे विकास में बाधा बन सकते है इसलिए तू इस बंधन से आजाद हो जा। 'तितलियों के पर' से कवयित्री का ये तात्पर्य है की ये युवती के योवन का आकर्षण है और तुझे उस आकर्षण से भी आजाद होना है।

11:15:1: प्रश्न-अभ्यास:3

3. 'जाग तुझको दूर जाना' स्वाधीनता आंदोतलन की प्रेरणा से रचित एक जागरण गीत है। इस कथन के आधार पर कविता की मूल संवेदना को लिखिए।

उत्तर- महादेवी वर्मा ने एक ऐसी कविता की रचना की जिसका तात्पर्य देश के लोगों को स्वतंत्रता के प्रति जगाना था।देश गुलामी के जंजीरों में जकड़ा था । लोग स्वतंत्रता चाहते थे लेकिन उस लड़ाई में

सीधे तौर पे लड़ने से डरते थे ।वे इसमे भाग लेने से डरते थे। इसके पीछे का एक मुख्य कारण ये था कि वे स्वार्थी और आलसी थे। उनके अंदर देशभक्ति की भावना जगाने के लिए जागरण गीतों की रचना की गई। महादेवी ने एक ऐसे ही गीत की रचना की जो गीत सोए हुए भारतीयों को जगाता है। महादेव ने भारतीयों को जागृत करने के लिए प्रेरित किया। वह यह भी बताती है कि इस पर चलते समय उन्हें बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। लेकिन उन्हें उनसे डरने की जरूरत नहीं है। उन्हें हर तरह के बंधन से मुक्त होना है और बस बढ़ते रहना है। तभी उन्हें स्वतंत्रता प्राप्त होगी ।

11:15:1: **प्रश्न-अभ्यास:4**

कविता में 'अमरता-सुत' का संबोधन किसके लिए और क्यों आया है?

उत्तर - इस कविता में 'अमरता-सुत' का संबोधन मनुष्य के आत्मा के लिए आया है । कवित्री के अनुसार आत्मा अमर है । जो व्यक्ति अपने जीवन के अमर सूत पे चलता है उसकी आत्मा कभी नष्ट नहीं होती । आत्मा न जल सकती है न ही कभी डूब सकती है । वह ईश्वर का अंश होती है तथा हमेशा अमर रहती है ।

11:15:1: प्रश्न-अभ्यास:5

कवयित्री ने स्वाधीनता के मार्ग में आनेवाली कठिनाइयों को इंगित कर मनुष्य के भीतर किन गुणों का विस्तार करना चाहा है? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- महादेवी वर्मा ने इस कविता में स्वतंत्रता के रास्ते में आने वाली कठिनाइयों का वर्णन किया है।और भारतियों के भीतर इन कठिनाइयों से

निपटने के लिए गुणों का विस्तार करने की मांग की है।
वह मनुष्य को दृढ़ इच्छा से चलने के लिए प्रेरित करती है। इस तरह मनुष्य दृढ़ संकल्पित हो जाता है।,वह इसमें आलस्य को दूर करने के लिए प्रेरित करती है, इसलिए वह इसमें कड़ी मेहनत की गुणवत्ता विकसित करती है।,वह उसे विषम परिस्थितियों में निडर होकर बढ़ने के लिए कहती है। इस तरह वह उसमें निडरता का गुण समाहित करती है।, वह उसे अपने लगाव को छोड़ने के लिए कहती है। इस तरह वह भावुकता के स्थान पर देशभक्ति का बीज बोती है।,वह उसकी जागरूकता की गुणवत्ता को शामिल करती है। उसके अनुसार, उसे इस लड़ाई में सतर्क रहना होगा।, वह दिल से मौत के डर को दूर करना चाहती है और जीवन के सही उद्देश्य को प्रकट करती है। इस तरह, वह अपने लक्ष्य को पहचानती है और उसे पूरा करने की गुणवत्ता का विस्तार करती है।

11:15:1: प्रश्न-अभ्यास:6

महादेवी वर्मा ने 'आँसू' के लिए 'उजले' विशेषण का प्रयोग किस संदर्भ में किया है और क्यों?

उत्तर- 'आँसू' मनुष्य की पवित्रता के प्रतीक होते हैं। बहते आँसुओं में कोई छल नहीं होता। यह शुद्ध भावना और शुद्ध आत्मा में लगी ठेस के कारण छलकते है। इन आँसुओं का कोई न कोई आधार होता हैं। वो निराधार नहीं होते हैं।

11:15:1: प्रश्न-अभ्यास:7

सपनों को सत्य रूप में ढालने के लिए कवयित्री ने किस यथार्थपूर्ण स्थितियों का सामना करने को कहा है?

उत्तर- सपनों को सत्य करने के लिए कवयित्री ने इन यथार्थपूर्ण स्थितियों का सामना करने के लिए कहा है :-

(क) दीपक के समान जलने को कहा है ।

(ख) फूल के समान खिलने को कहा है ।

(ग) कठोर स्वभाव के अन्दर भी करुणा की भावना को रखना ।

(घ) जीवन में सत्य की झलक को दिखाकर ।

(ङ) हर व्यक्ति के अन्दर व्याप्त सच्चाई को जानकर ।

11:15:2: योग्यता-विस्तार:2

महादेवी वर्मा और सुभद्रा कुमारी चौहान की कविताओं को पढ़िए और महादेवी वर्मा की पुस्तक 'पथ के साथी' से सुभद्रा कुमारी चौहान का संस्मरण पढ़िए तथा उनके मैत्री-संबंधों पर निबंध लिखिए।

उत्तर- महादेवी वर्मा ने पहली बार सुभद्रा कुमारी चौहान से क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज में मुलाकात की। सुभद्रा कुमारी चौहान महादेवी वर्मा से बड़ी थीं,

लेकिन दोनों में बहनों का प्यार था। उस समय सुभद्रा ने कविता लिखना शुरू किया और महादेवी तुक मिलाती थीं। सुभद्रा कुमारी को खड़ी बोली में लिखता देखकर महादेवी वर्मा को उसी में लिखने की प्रेरणा मिली। इस से पहले महादेवी वर्मा अपनी माँ से प्रभावित होकर ब्रजभाषा में लिखती है । महादेवी ने सुभद्रा जी के साथ तुक मिलाएं और जो कविता बनती उन्हें 'स्त्री-दर्पण'में भेजना आरम्भ कर दिया। अतः यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि सुभद्रा कुमारी महादेवी की कविता की पहली साथी थीं। उन्होंने ही महादेवी को रास्ता दिखाया। दोनों सखियाँ जीवन भर के लिए एक दूसरे के साथ रही हैं। यह दो महिलाओं की दोस्ती थी जो स्वतंत्रता संग्राम में अपनी कविताओं के माध्यम से, उन्हें सरकार को हिला दिया ।